

## लङ् लकारस्य अभ्यासः

### परस्मैपदिनः धातवः

#### उदाहरणं दृष्ट्वा लकारपरिवर्तनं करोतु

१. खादति → अखादत्
२. चलति
३. क्रीडन्ति
४. त्यजति
५. भवन्ति
६. तिष्ठामि
७. हरतः
८. नयन्ति
९. स्मरतः
१०. वदन्ति
११. पिबसि
१२. पतामि
१३. रचयामः
१४. गायामि
१५. वसावः
१६. पचामः
१७. पठसि
१८. नृत्यन्ति
१९. स्थापयामि
२०. मारयसि
२१. ताडयथः
२२. पाठयति
२३. दर्शयामः
२४. चिन्तयन्ति
२५. सूचयावः
२६. चोरयथ
२७. योजयामि
२८. चिन्वन्ति

#### उदाहरणानुगुणं लकारपरिवर्तनं करोतु

१. बालकः पुस्तकं पठति | → बालकः पुस्तकं अपठत् |
२. बालिका पत्रं लिखति |
३. भवन्तः श्लोकं वदन्ति |
४. अहं फलरसं पिबामि |
५. एते घटीं पश्यन्ति |

६. अध्यापकः पाठं पाठयति |
७. मातरः शाकं कर्तयन्ति |
८. वयं कार्यालयं गच्छामः |
९. पुष्पाणि शुष्यन्ति |
१०. सेवकौ लताः सिञ्चतः |
११. आरक्षकाः चोरं ताडयन्ति |
१२. फलम् अत्र पतति |
१३. निर्वाहकाः यात्रापत्रं यच्छन्ति |
१४. वयं स्यूतान् स्थापयामः |
१५. चालकाः वाहनानि चालयन्ति |
१६. अहं भोजनं खादामि |
१७. वैद्यः औषधं ददाति |
१८. नर्तक्यः नृत्यन्ति |
१९. बालकौ गभीर रूपेण चिन्तयतः |
२०. आवां प्रतिदिनं पाठशालां गच्छावः |
२१. त्वं प्रातःकाले स्नानं कृत्वा वस्त्राणि क्षालयसि |
२२. ते पुरुषाः क्रिकेट् क्रीडन्ति |
२३. अहं स्पर्धां पश्यामि |
२४. बालिके स्थालिकाः स्थापयतः |
२५. यूयम् अध्यापकं बहून् प्रश्नान् पृच्छथ |

#### उदाहरणानुसारं लङ् लकारस्य एकवचन-द्विवचन-

#### बहुवचनरूपाणि वदतु

प्र० पु०

१. पठ् → अपठत्, अपठताम्, अपठन्
२. पिब्
३. लिख्
४. पश्य्
५. नय्
६. गच्छ्
७. पृच्छ्
८. सूचय्
९. गणय्

म० पु०

१. पठ् → अपठः, अपठतम्, अपठत
२. पिब्
३. लिख्
४. पश्य्

५. नय्
६. गच्छ्
७. पृच्छ्
८. सूचय्
९. गणय्

उ० पु०

१. पठ् → अपठम्, अपठाव, अपठम
२. पिब्
३. लिख्
४. पश्य्
५. नय्
६. गच्छ्
७. पृच्छ्
८. सूचय्
९. गणय्

**पुरुषानुसारम् एकवचन-द्विवचन-बहुवचनरूपाणि वदतु**

१. अवदताम् → अवदत्, अवदन्
२. अस्थापयम् → अस्थापयाव, अस्थापयाम
३. अत्यजः
४. अखादन्
५. अमिलतम्
६. अभवाम
७. अगच्छत्
८. अपतन्
९. अलिखाव
१०. अपठत्
११. अकरवम्

**रिक्तस्थानानि गम् धातोः लङ् लकारस्य उचितरूपैः पूरयतु**

१. सः ह्यः विद्यालयं न अगच्छत् |
२. एतौ छात्रौ ह्यः भ्रमणाय नगरम् \_\_\_\_\_ |
३. ताः बालिकाः अपि ह्यः ग्रामम् \_\_\_\_\_ |
४. किं त्वम् अपि ह्यः कुत्रचित् \_\_\_\_\_ ?
५. अहं तु गृहे एव आसम् | कुत्रचित् अपि न \_\_\_\_\_ |
६. युवां कुत्र \_\_\_\_\_ ?
७. आवां दर्शनाय प्रयागम् \_\_\_\_\_ |
८. यूयं कुत्र \_\_\_\_\_ ?

९. वयं काशीम् \_\_\_\_\_ |
१०. भवान् कदा \_\_\_\_\_ ?

**रिक्तस्थानानि पठ् धातोः लङ् लकारस्य उचितरूपैः पूरयतु**

१. सा पत्रिकाम् अपठत् |
२. बालकाः कथाम् \_\_\_\_\_ |
३. तौ व्याकरणम् \_\_\_\_\_ |
४. अहम् आदेशान् \_\_\_\_\_ |
५. त्वं गीताम् \_\_\_\_\_ |
६. वयम् उत्तरपुस्तिकाः \_\_\_\_\_ |
७. युवां जीवनचरितम् \_\_\_\_\_ |
८. भवत्यौ ग्रन्थम् \_\_\_\_\_ |
९. अहं वाक्यानि \_\_\_\_\_ |
१. वयं वेदान् \_\_\_\_\_ |
१०. ते बालिके काव्यम् \_\_\_\_\_ |

**क्रियापदस्य लङ् लकारस्य उचितरूपेण पूरयतु**

१. ते छात्राः पुस्तकम् अपठन् | (पठ्)
२. वयं पत्रम् \_\_\_\_\_ | (लिख्)
३. तौ कुत्र \_\_\_\_\_ | (गम्)
४. सिंहाः \_\_\_\_\_ | (गर्ज्)
५. मयूराः \_\_\_\_\_ | (नृत्)
६. अहम् \_\_\_\_\_ | (खाद्)
७. तौ कथाम् \_\_\_\_\_ | (लिख्)
८. आवाम् अङ्कनीम् \_\_\_\_\_ | (यच्छ्)
९. ते बालिके \_\_\_\_\_ | (गम्)
१०. मेघाः \_\_\_\_\_ | (वृष)
११. अनुजौ श्लोकम् \_\_\_\_\_ | (वद्)
१२. अध्यापकाः पाठान् \_\_\_\_\_ | (पाठि)
१३. यूयं लेखनीः \_\_\_\_\_ | (यच्छ्)
१४. आरक्षकौ चोरम् \_\_\_\_\_ | (तड्)
१५. आवाम् \_\_\_\_\_ | (क्रीड्)
१६. युवां पुस्तकम् \_\_\_\_\_ | (लिख्)
१७. अहं शिलाखण्डम् \_\_\_\_\_ | (क्षिप्)
१८. सा गीतम् \_\_\_\_\_ | (गा)
१९. पुष्पाणि \_\_\_\_\_ | (शुष्)
२०. त्वं शाकं \_\_\_\_\_ | (कृत्)

## आत्मनेपदिनः धातवः

### एतानि वाक्यानि पठतु

१. कैकेयी दशरथं वरम् अयाचत |
२. शबरी रामचन्द्रम् अवन्दत |
३. रावणः अङ्गदं दृष्ट्वा अकम्पत |
४. विभीषणः संस्कृतेन अभाषत |
५. भिक्षुकः भिक्षां प्राप्य अमोदत |

### उदाहरणं दृष्ट्वा लकारपरिवर्तनं करोतु

१. सेवते → असेवत |
२. लभन्ते
३. प्रकाशते
४. मोदे
५. म्रियन्ते
६. वर्धावहे
७. जायन्ते
८. शोभामहे
९. शङ्केथे
१०. वर्तेते
११. खिद्यसे
१२. राजन्ते
१३. सेवे
१४. लज्जावहे
१५. कम्पन्ते
१६. मन्यसे
१७. पलायेते
१८. विद्यामहे
१९. कामये
२०. भाषेते
२१. सहेथे
२२. मन्यन्ते
२३. वर्धध्वे
२४. रमे
२५. लभामहे

### उदाहरणानुगुणं लकारपरिवर्तनं करोतु

१. पक्षी आकाशे डयते | → पक्षी आकाशे अडयत |
२. गृहिणी वातायनात् वीक्षते |

३. लतायां पुष्पे जायेते |
४. अहं पितरं वन्दे |
५. युवां कुत्र पलायेथे ?
६. वयं कष्टं सहामहे |
७. सत्कार्येण ते सुखं लभन्ते |
८. वयं संस्कृतोन्नतिं अपेक्षामहे |
९. वधूः श्वशुरात् लज्जते |
१०. कण्ठे हारः शोभते |
११. सज्जनाः लोकमङ्गलं कामयन्ते |
१२. यूयं चित्राणि वीक्षध्वे |
१३. नारिकेलवृक्षः वर्धते |
१४. आवां मिष्टान्नं लभावहे |
१५. अहं कष्टं सहे |
१६. एषः दूरवाण्या भाषते |
१७. वृक्षाः वायुना कम्पन्ते |
१८. यूयं संस्कृतोन्नतिं कामयध्वे |
१९. वयं सिंहं दृष्ट्वा पलायामहे |
२०. आवां चित्रं दृष्ट्वा मोदावहे |
२१. दरिद्राः कष्टं सहन्ते |
२२. एषः उद्याने मोदते |
२३. बालौ क्रीडया मोदते |
२४. आकाशे सूर्यः प्रकाशते |
२५. ते सम्यक् भाषन्ते |
२६. त्वं शरीरेण वर्धसे |
२७. अहं सुखं कामये |
२८. कमलं जले जायते |
२९. एषः बन्धोः वियोगेन खिद्यते |
३०. याचकः भुङ्क्ते |

### पुरुषानुसारम् एकवचन-द्विवचन-बहुवचनरूपाणि वदतु

१. अवर्धेताम् → अवर्धत, अवर्धन्त
२. अमोदथाः
३. अशोभावहि
४. अखिद्यन्त
५. अभाषध्वम्
६. ऐधे
७. औहेथाम्
८. अपलायेताम्
९. अकामये

१०. ऐक्षथाः
११. अविद्यावहि
१२. अलज्जत
१३. अम्रियध्वम्
१३. अशङ्केताम्
१५. ऐहे

### मिश्रिताभ्यासः

१. शिष्यः गुरुं वन्दते | → शिष्यः गुरुं अवन्दत |
२. वयं गायामः |
३. त्वम् अकारणं लज्जसे |
४. एताः पाठयन्ति |
५. वयं खिद्यामहे |
६. वयं गीतं शृणुमः |
७. शिशवः मधुरं भाषन्ते |
८. त्वं गृहं गच्छसि |
९. वयं वेदनां सहामहे |
१०. युवां खादथः |
११. अहं यशः लभे |
१२. तौ पत्रं लिखतः |
१३. ताः स्वकार्यं मन्यन्ते |
१४. ताः कदा पाठशालां प्राप्नुवन्ति ?
१५. यूयं दुःखं सहध्वे |
१६. आवां श्लोकं वदावः |
१७. धीरौ देशरक्षार्थं म्रियेते |
१८. ते आसन्दे उपविशन्ति |
१९. आवाम् एतेन मोदावहे |
२०. यूयं गुरुं नमथ |
२१. वयं तदेव वस्तु क्रेतुम् इच्छामः |
२२. ताः महिलाः बहूनि पत्राणि प्रेषयन्ति |
२३. तत्र द्वौ शुनकौ विद्येते |
२४. अहं भारत देशं गत्वा मित्रेण सह मोदे |
२५. बहु वारं परीक्षां लिखामि अपि स्म्यक् न भवति |
२६. लतायां बहूनि पुष्पाणि जायन्ते |
२७. अहं कार्यक्रमे उत्थाय वदामि |